दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 14.09.2021

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 14 सितम्बर 2021 को युगपुरूष महंत दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के पॉचवें दिन 'भारतीय जागरण के अग्रदूत–गोरखनाथ' विषय पर **मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए आचार्य राजेश मल्ल बोलते हुए हिन्दी विभाग दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर** ने कहा कि भारतीय चिन्तन परम्परा पर जितना अनुसंधान होना चाहिए उतना नही हो पाया। गुरू गोरखनाथ के जीवन को लोगों ने अपने–अपने दृष्टि से उसका उद्घाटित किया है, जागरण की व्याख्या करते हुए आचार्य रामविलास शर्मा ने कहा है कि समानता, स्वतंत्रता एवं विश्वबंधुत्व ही वास्तविक जागरण है। पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अपने पुस्तक में लिखा है कि भारतवर्ष की कोई भी ऐसी बोली नही है जिसमें गुरू गोरखनाथ के भाव भाषा एवं कथानकों का समावेश न हो, जीवन में सत्य ही साधना है जो हम अपने साध्य तक अग्रसर करता है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने कहा कि नाथ पंथ की बोली और इसके भाव और उपदेश जीवन के कण–कण में समाहित जिनकी उपादेयता सर्वकालिक प्रासंगिक है। **कार्यक्रम के प्रारम्भ विषय प्रवर्तन और अतिथि का स्वागत विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने किया। संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अदिति ने किया। आभार ज्ञापन विभाग के सहयुक्त आचार्य डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव** ने किया।

कार्यक्रम मे महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. विवेक शाही, डॉ. सुभाष चन्द्र, डॉ. निधि राय डॉ. राकेश कुमार, डॉ.भगवान सिंह, मनीष श्रीवास्तव, श्री पवन कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

डॉ.(वीणा गोपाल मिश्रा)
प्राचार्य